भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1075

दिनांक 28 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

जम्मू और कश्मीर में मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं का आकलन और सुदृढ़ीकरण

1075. श्री सज्जाद अहमद किचलू:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने जम्मू और कश्मीर में लंबे समय से चल रहे संघर्ष, प्राकृतिक आपदाओं और नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का कोई आकलन किया है;
(ख) सरकारी संस्थानों में उपलब्ध मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों और परामर्शदाताओं की संख्या कितनी है;
(ग) मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता का ज़िला-वार ब्यौरा क्या है; और
(घ) ऐसी सेवाओं का विस्तार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): सरकार ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस), बेंगलुरु के माध्यम से राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2 (एनएमएचएस 2) शुरू किया है, जो सभी राज्यों (28) और संघ राज्य क्षेत्रों (8) में किशोरों (13 से 17 वर्ष) और 18 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सभी वयस्कों को कवर करता है। एनएमएचएस 2 की पूछताछ के फोकस में विस्तार करके इसे मानसिक बीमारी की स्थितियों संबंधी जन स्वास्थ्य प्राथमिकता तक बढ़ा दिया गया है, जिसमें बच्चों और महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य, प्रवासन, जलवायु परिवर्तन, जनजातीय आबादी में मानसिक स्वास्थ्य और आपदाओं के दौरान मानसिक स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित विषयगत अध्ययन शामिल हैं।

(ख): जम्मू और कश्मीर में सरकारी और निजी दोनों संस्थानों में लगभग 120 मनोरोग विशेषज्ञ और 40 नैदानिक मनोवैज्ञानिक हैं, (सरकारी संस्थानों में लगभग 71 मनोरोग विशेषज्ञ और 10 नैदानिक मनोवैज्ञानिक तैनात), जो अपेक्षाकृत अनुकूल मनोरोग विशेषज्ञ-से-जनसंख्या अनुपात को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, जम्मू और कश्मीर के सभी जिलों में नशा मुक्ति उपचार सुविधा केंद्रों (एटीएफ), जिला प्रारंभिक

उपचार केंद्रों (डीईआईसीएस) और जीएमसी में परामर्शदाता उपलब्ध हैं। जम्मू और कश्मीर में टेली-मानस के तहत श्रीनगर स्थित मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (इम्हांस) के माध्यम से भी परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

(ग): जम्मू और कश्मीर में मानसिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों की जिले-वार उपलब्धता निम्नानुसार है:

i. जम्मू, कठुआ, उधमपुर, राजौरी, डोडा, अनंतनाग, बारामूला, हंदवाड़ा और बेमिना में स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेजों (जीएमसी) में व्यसन उपचार सुविधा केंद्रों (एटीएफएस) के साथ मनोरोग विभाग उपलब्ध हैं।
ii. रियासी, कुलगाम, शोपियां, पुलवामा, बडगाम, बांदीपोरा, गांदेरबल, कुपवाड़ा, रामबन, पुंछ, सांबा और किश्तवाड़ के जिला अस्पतालों में जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाइयां (डीएमएचयूएस) अथवा व्यसन उपचार सुविधा केंद्र (एटीएफ) उपलब्ध हैं।
iii. मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (इम्हांस), श्रीनगर, जो एनएमएचपी के तहत 160 बिस्तरों वाला उत्कृष्टता केंद्र है, मनोचिकित्सा परिचर्या, प्रशिक्षण और मानव शक्ति सृजन के लिए नोडल संस्थान के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।
iv. जम्मू और कश्मीर के सभी जिलों में 21 व्यसन उपचार सुविधा केंद्र (एटीएफ) कार्यशील हैं।

(घ): जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, पूरे संघ राज्य क्षेत्र में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और उनका विस्तार करने के लिए कई पहलें की गई हैं, जिनमें निम्नलिखित पहलें शामिल हैं:

i. गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू में एमडी मनोचिकित्सा की शुरुआत।
ii. सभी स्तरों पर सुलभ, व्यापक और समुदाय-आधारित मानसिक स्वास्थ्य परिचर्या सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या प्रणाली में मानसिक स्वास्थ्य परिचर्या प्रणाली को एकीकृत करना और सुदृढ़ करना।
iii. इससे पहले, 12 चिकित्सा अधिकारियों (एमओएस) ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस) द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य में डिप्लोमा (डीसीएमएच) सफलतापूर्वक पूरा किया।
iv. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी) के तहत जम्मू संभाग के प्रत्येक जिले के लिए एक-एक, कुल 10 मनोचिकित्सक के पदों को मंजूरी प्रदान की गई है।
v. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस), बेंगलुरु द्वारा आयोजित किए जाने वाले छह माह के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 30 चिकित्सा अधिकारियों के नामांकन किए गए हैं।
vi. टेली-मानस के माध्यम से डिजिटल और टेली-मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, वहनीयता और स्वीकार्यता में सुधार हो रहा है।

*****